ધીરણ : 5



<u> पाठ : ४</u>

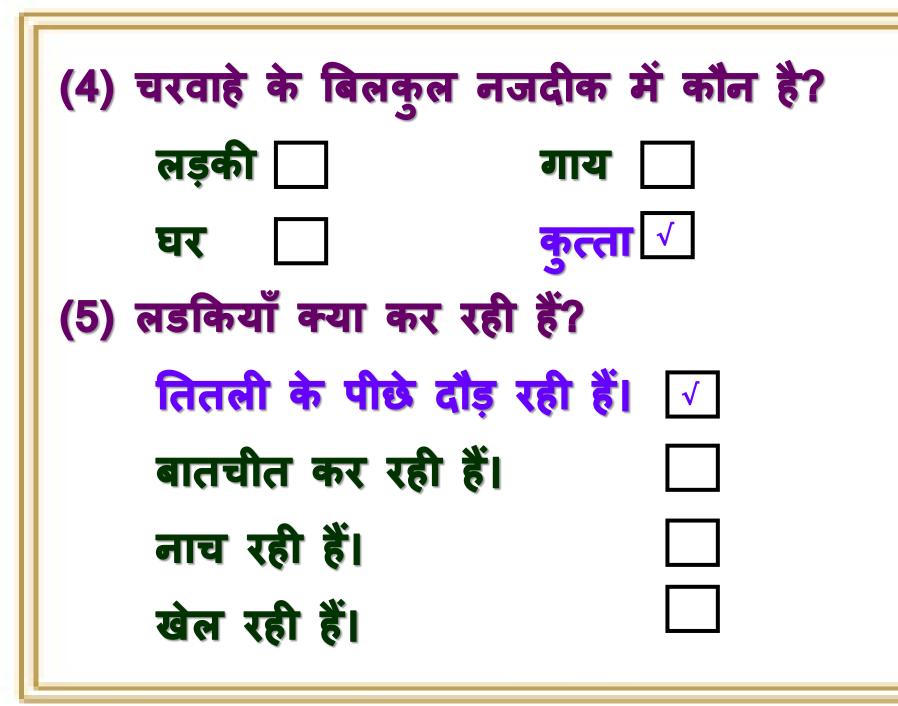
सोच अपनी - अपनी

સ્વ-અધ્યયનપોથી સોલ્યુશન

प्रश्न:1 निम्नलिखित चित्र के आधार पर सही विकल्प चुनकर लिखिए।



(1) किस समय का चित्र है?		
सुबह	शाम	
रात	दोपहर	
(2) नारियल के कितने पेड़ हैं?		
एक	तीन	
चार 🗆	दो	✓
(3) चरवाहे के हाथ में क्या है?		
पगडी 🗌	खेस	
रोटी	लाठी	√



(6) चरवाहा क्या कर रहा है?

कुत्ते को ले जा रहा है।

बच्चों के पास खड़ा है।

अपने घर जा रहा है।

गाय चरा रहा है।



(7) सूरज निकलने पर पक्षी क्या कर रहे हैं? अपने घोंसले में जा रहे हैं। उड़ रहे हैं। दाना चुग रहे हैं। सूरज से मिलने जा रहे हैं।

प्रश्न:2 अपनी पाठशाला के बारे में दस-बारह वाक्य लिखिए।

'अपनी पाठशाला'

मेरी पाठशाला बहुत ही सुंदर और स्वच्छ पाठशाला है। मेरे स्कूल का नाम सरस्वती विध्यामंदिर है। यह एक आदर्श विध्यालय है। जो मेरे गाँव में स्थित है। मेरी पाठशाला मैं कक्षा पहली से लेकर कक्षा दसवी तक पढ़ाई होती है।

मेरी पाठशाला में बच्चों को बहुत ही अच्छी शिक्षा दी जाती है। कक्षामें अध्यापक सभी बच्चों से प्यार से पेश आते हैं। और प्रतिदिन अच्छी चीजों को सिखाते हैं। पाठशाला को विद्यालय स्कूल और विध्यामंदिर भी कहा जाता है। विध्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ बच्चों को शिक्षा दी जाती है। मेरी पाठशाला में बहुत ही दूर दूर से बच्चे शिक्षा लेने के लिए आते है। मेरी पाठशाला मुझे बहुत ही पसंद है।

मेरे विध्यालय में कुल दस कक्षाए है और कक्षा के सभी कमरे में फर्नीचर तथा कक्षा में पंखे लगे हुए हैं। मेरे विध्यालय में 80 काबिल शिक्षक है। 3 सहायक शिक्षक एक प्रधानाचार्य जी है और दो गेटकीपर है।

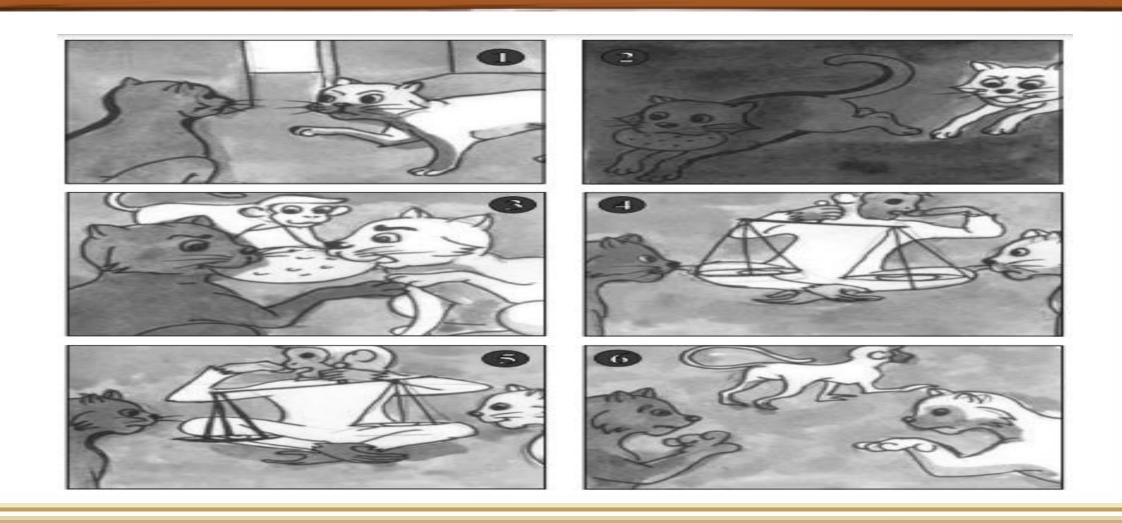
मेरी पाठशाला का समय सुबह प्रातः काल 7:00 बजे से लेकर दोपहर 1:30 बजे तक का है। सुबह प्रार्थना के साथ पढ़ाई की शुरुआत होती है। पाठशाला अनुशासन प्रिय है। नहीं करने वाले विध्यार्थियों को कड़ी सजा का प्रावधान है।

प्रश्न:3 नीचे दिए गए चित्र के आधार पर पाँच सात वाक्य लिखिए।



चित्र में पेड़ और पौधे दिखाई दे रहे हैं। हरी घास भी है। दूर-दूर तीन पहाड़ खड़े हैं। ऊपर खुला आकाश दिख रहा है। एक फिसलनपट्टी है। फिसलनपट्टी की दूसरी और सीडी है। फिसलनपट्टी के ऊपर से लड़की फिसल रही है। फिसलन पट्टी के पास एक लड़का खड़ा है। दोनों भाई बहन खुश हैं।

प्रश्न:4 चित्रों के आधार पर विकल्प को पसंद कर कहानी पूर्ण कीजिए।



□ (सफेद, काली, बंदर, झगड़ने, भारी, सारी, दो, रोटी, भूख, तराजू, टुकडा, पछतावा, हलका)

एक बार की बात है। दो बिल्लियाँ थीं। एक सफेद एक काली। दोनों को भूख लगी। उन्हें एक <u>तराज</u>ू मिली। वे एक रोटी के लिए <u>दो</u> लगी। इतने में एक बन्दर आया वह तराजू लाया। उसने रोटी के दो टुकड़े किए। उसने ट्रकडे तराजू में रख दिए। तराजू का एक 'पलडा' भारी था तो दूसरा <u>हलका</u>। उसने भारी पलडे के टुकडे में से थोडा सा <u>टुकडा</u> तोड़कर खा लिया। इस तरह उसने <u>सारी</u> रोटी खा ली ।दोनों बिल्लियों को बहुत <u>पछतावा</u> हुआ।

Thanks



For watching